Distressful situation faced by medical M.Sc. teachers and biomedical students

SHRI K. T. S. TULSI (Nominated): Sir, I want to raise the issue of thousands of persons holding the Masters of Science degree from the medical colleges which are recognised by the Medical Council of India. They are all facing distressful situation with the threat that they will lose their jobs because the MCI is now proposing to scrap the three-year medical M.Sc. course. As a result of this there will be further shortage of teachers in the medical colleges and also shortage of non-clinical doctors. I would only request the Government to reconsider this proposal of scrapping the three-year Masters course meant for non-clinical doctors from the universities or medical colleges which are recognised by the Medical Council of India.

SHRI K. C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

Concern over decreasing number of sittings during the sessions of Parliament

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): सर, यह बहुत गम्भीर मसला है, जिस पर आपने आज सुबह भी कहा और रोज़ाना इसी विषय पर बात हो रही है कि संसद में हम लोगों की बैठकें कम होती जा रही हैं। जहां पहली राज्य सभा में 110 से लेकर 115 सिटिंग्स तक होती थीं, अब घटते-घटते वे 50-60 सिटिंग्स रह गई हैं। जितने विधेयकों पर यहां चर्चा होती है, उनका समय कम होता चला जा रहा है, यहां तक कि एक-एक घंटे में विधेयक पास हो रहे हैं। क्योंकि 50 परसेंट से कम समय में कोई काम हो नहीं सकता, पूरा देश हम लोगों की तरफ देख रहा है और हमें कहता है कि यहां आप आते हैं, यहां से पैसा लेते हैं लेकिन काम कुछ नहीं करते। सर, हमें इस गंभीर समस्या का कोई हल निकालना चाहिए, इसका कोई रास्ता निकालना चाहिए। सर, 1997 में एक 14 प्वाइंट्स का प्रोग्राम बनाया गया था, जिसके ऊपर आज तक अमल नहीं हो पाया। 2001 में भी इसी प्रकार से इसके लिए कुछ प्वाइंट्स बनाए गए थे, लेकिन उन पर आज तक अमल नहीं हो पाया।

सर, इसके ऊपर आपको और सारे सदन को बैठ कर एक बार यह तय करना होगा कि कैसे इसकी सिटिंग्स बढ़ाई जाएं, या तो number of sittings बढ़ाई जाएं या सबका एक concensus बना कर इसके ऊपर कुछ सोचना चाहिए। मैं आपसे यह अपील करूंगा, सरकार से अपील करूंगा कि इस गंभीर मसले के ऊपर सोचना चाहिए, क्योंकि हम जैसे नए सांसद यहां पर सीखने आते हैं, यहां बोलना चाहते हैं, लेकिन समय नहीं होता है। ऐसी स्थिति में हम अपने क्षेत्र में जाकर क्या बताएंगे? इसलिए मैं आपसे यह आग्रह करता हूं कि इसके ऊपर आप ध्यान दें और सरकार से कह कर इसकी सिटिंग्स को बढ़ाएं।

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.